Govt. College Sainj, Kullu (H.P.)

College Activity Performa

Sr. No.	Particular	Remarks
1	Date	**26th Jan. 2025 to 1st Feb. 2025**
2	Name of Activity	**Faculty Development Programme/ Workshop (Hybrid) On Research Methodology and Academic development**
3	Name of Unit/Agency/Department Organizing the Activity	IQAC
4	Name of Collaborating Agency (If Any)	Himalayan Council for Scientific Research, Kullu (H.P.)
5	No. of Student Participants	15
6	No. of Teacher Participants	05
7	Brief Report सांदिप्त प्रदिवेिन	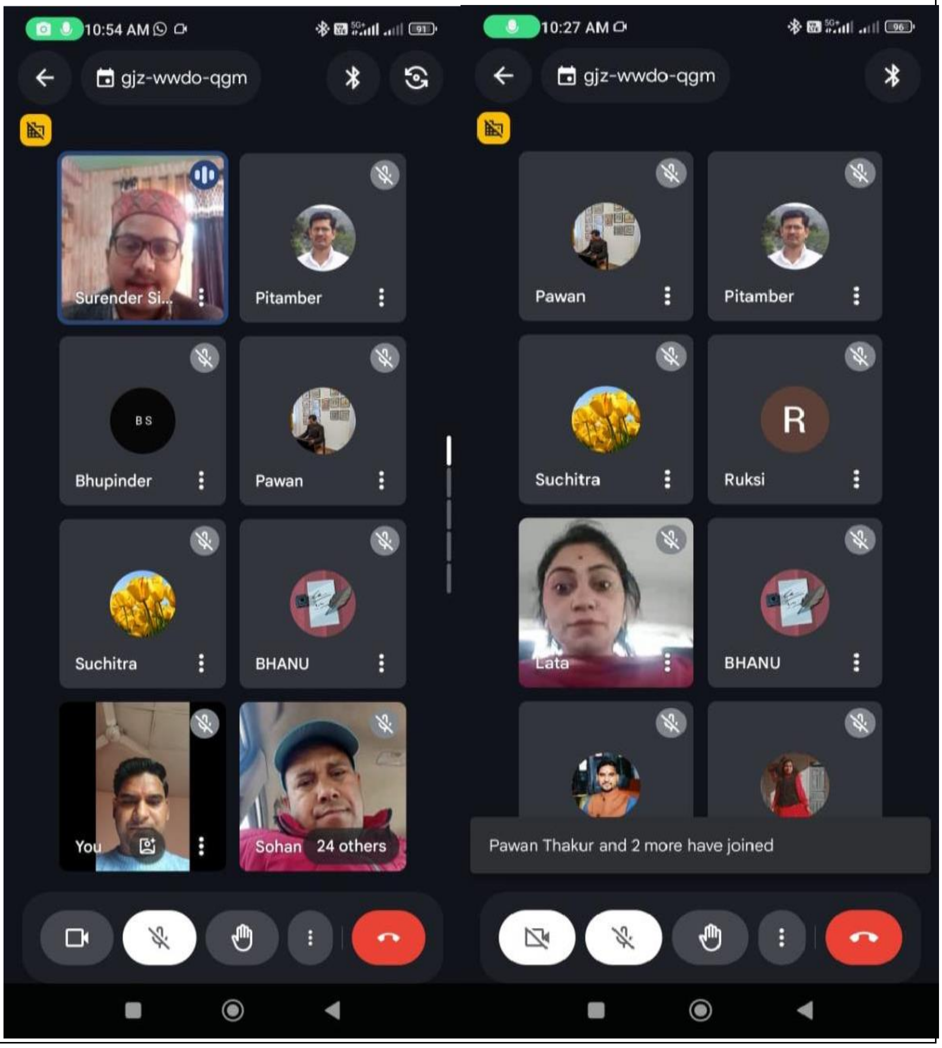

		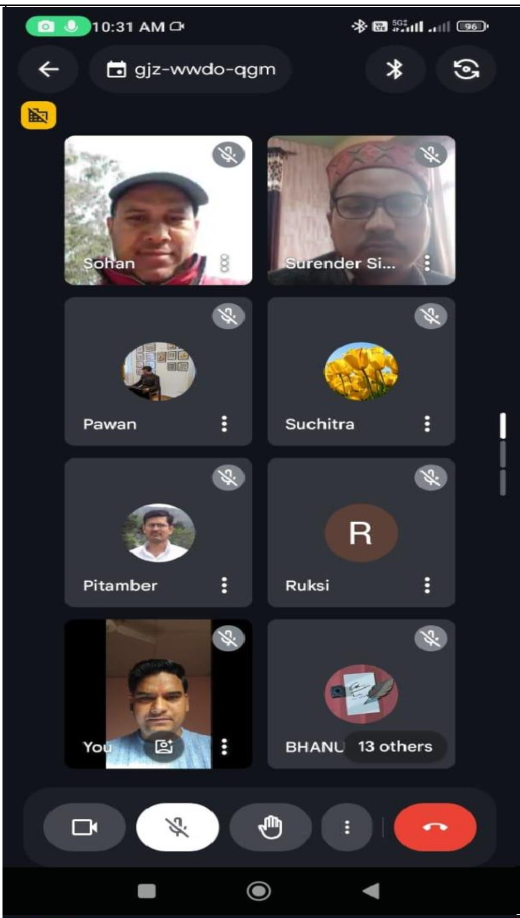 10:31 AM gjz-wwdo-qgm Sohan Surender Si... Pawan Suchitra Pitamber Ruksi You BHANU 13 others 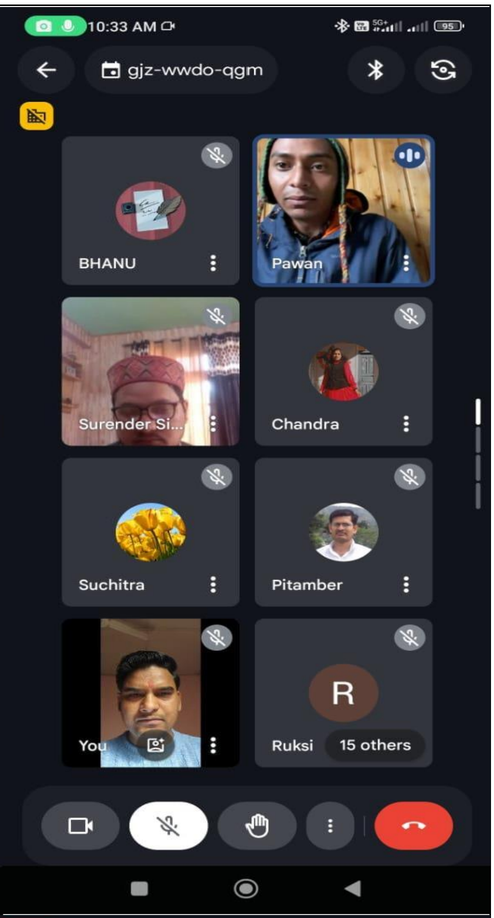 10:33 AM gjz-wwdo-qgm BHANU Pawan Surender Si... Chandra Suchitra Pitamber You Ruksi 15 others 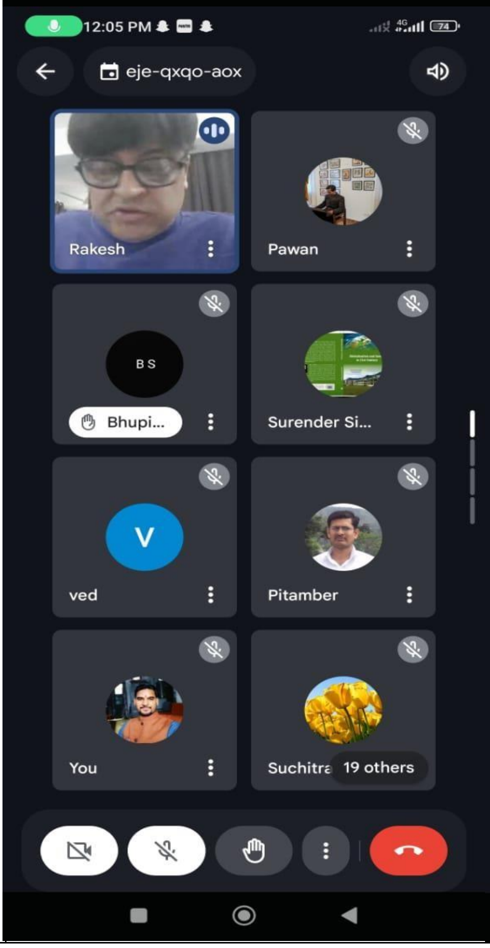 12:05 PM eje-qxqo-aox Rakesh Pawan BS Bhupi... Surender Si... ved Pitamber You Suchitra 19 others 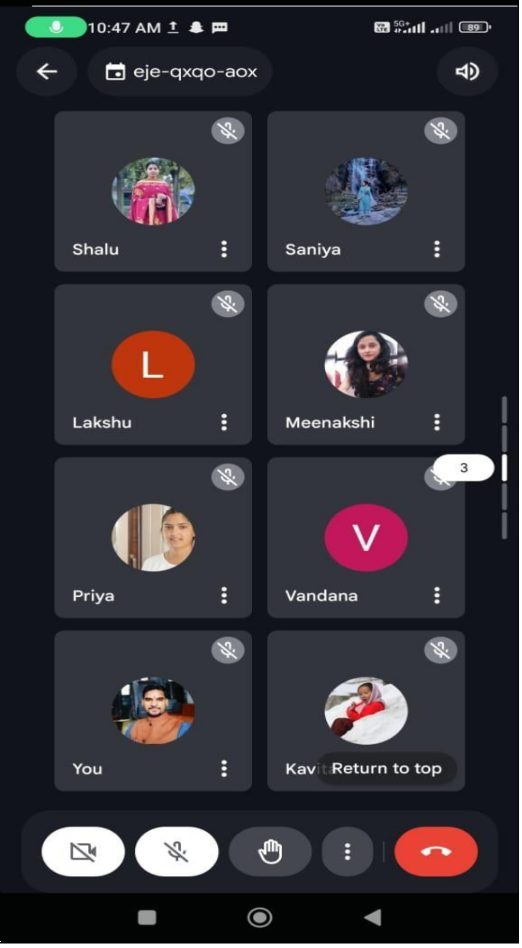 10:47 AM eje-qxqo-aox Shalu Saniya Lakshu Meenakshi Priya Vandana You Return to top

सैंज महाविद्यालय में हिमालयन काऊंसिल फॉर सांइटिफिक रिसर्च के तत्वावधान में सम्पन्न हुई सात दिवसीय कार्यशाला

सवेरा न्यूज/खेमचंद सोनी

सैंज 1 फरवरी : राजकीय महाविद्यालय सैंज में हिमालयन काउंसिल फॉर सांइटिफिक रिसर्च के तत्वाधान में सात दिवसीय एफडीपी/कार्यशाला का समापन हुआ। इस कार्यशाला का आयोजन डा. सुजाता प्रिंसिपल राजकीय महाविद्यालय सैंज के अध्यक्षता में किया गया। यह एफडीपी 26 जनवरी से 1 फरवरी 2025 तक चली। इस कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रेम नेगी रहे व प्रो. प्रदीप कुमार सचिव की भूमिका में रहे। इस एफडीपी का शुभारंभ डा. सुजाता प्रिंसिपल राजकीय महाविद्यालय सैंज के आशीर्वाचनों से हुआ। इस कार्यशाला में लगभग पैंतीस प्रतिभागी सम्मिलित हुए। प्रथम दिन मुख्य वक्ता के तौर पर डॉ. राकेश कुमार सह आचार्य पीजीजीसी चंडीगढ़ मौजूद रहे। इनका बिषय सामाजिक विज्ञान में गुणात्मक व मात्रात्मक अनुसन्धान के ऊपर रहा तथा इन्होने फील्ड वर्क व गुणात्मक अनुसंधान पर विशेष बल दिया। दूसरे दिन के स्पीकर डॉ. मुहम्मद, सहायक आचार्य एसजीटी यूनिवर्सिटी रहे। इनका विषय रिसर्च में डिजिटल टूल्स व टेक्नोलॉजी को लेकर रहा। इन्होने पार्टीसपेंट को रिसर्च रैबिट, आबसाइडियन व जोटरो जैसे रिसर्च सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी दी।

कार्यशाला के तीसरे दिन मुख्य वक्ता के तौर पर डा. कंचन चन्दन फैक्यलिटी पंजाब यूनिवर्सिटी मौजूद रहे। कार्यशाला के चतुर्थ दिन मुख्य वक्ता डा. बिपन राठौर पूर्व प्राचार्य व चीफ पैट्रन एचसीएसआर रहे। इनका विषय रिसर्च में मैथडोलॉजी पर आधारित रहा। रिसर्च में फील्ड वर्क की क्या महत्वता है व एक अनुसन्धानकर्ता को किन मुश्किलों का सामना करना पड़ता है तथा इनके द्वारा ब्राउन भालू पर इनकी रिसर्च के कुछ पहलुओं को भी प्रतिभागियों के साथ सांझा किया गया। एफडीपी के पांचवे दिवस मुख्य वक्ता के तौर पर डॉ. सोमा पटनायक, सहायक आचार्य, राम लाल आनंद, कॉलेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी रही। इनका विषय क्यूलिटेटिव एंड क्योंटिटेटिव मैथडस के बीच में गेप को लेकर रहा। इन्होने रिसर्च में उपयोग की जाने वाली नामीनल स्केल, आरडीनल स्केल, इंटरवल स्केल व लिकरट के बारे में प्रतिभागियों को बतलाया।

कार्यशाला के छठे दिन रिसोर्स पर्सन के तौर पर पवन ठाकुर, अनुसंधानकर्ता मौजूद रहे। इनका विषय रिसर्च में थिंकिंग, राइटिंग एंड रिसर्च को लेकर रहा। इसमें उन्होंने बताया की किसी भी विषय पर अनुसंधान करने से पहले उस विषय की गहन जानकरी होना जरूरी है व उस विषय से सम्बंधित साहित्य को पहले पढ़ना जरूरी है। इन्होने रिसर्च में अनुसंधान की प्रासंगिकता पर भी जोर देने का प्रयास किया।

कार्यशाला के अंतिम व सातवें दिन मुख्य वक्ता के तौर पर डॉ. सुरेंदर सिंह सहायक आचार्य राजनीतिक शास्त्र, बंजार महाविद्यालय, (प्रेसिडेंट एचसीएसआर) रहे। इनका विषय रिसर्च डिजाइन रहा। इनके द्वारा अनुसन्धान के लिये रिसर्च डिजाइन कैसे तैयार किया जाए, किन बातों का ध्यान एक अनुसंधानकर्ता को रखना है। साहित्य के पुनःनिरीक्षण को किया जाना चाहिए ताकि यह पता लगाया जा सके की किस बिषय पे खोज करनी है, और कार्यशाला के अंत में डॉ सुजाता (प्रिंसिपल सैंज महाविद्यालय) ने सभी प्रतिभागियों का एफडीपी में पार्टिसिपेट करने के लिये धन्यवाद किया व भविष्य में होने वाली संगोष्ठियो के लिये सहयोग का आश्वासन भी दिया।

डॉ मीना चौधरी सह-आचार्या, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला, वलैडिक्टरी सत्र में विशेष तौर पर सम्मिलित हुए। इस सात दिवसीय कार्यशाला में सैंज महाविद्यालय के सभी प्रोफेसर व 20 विद्यार्थियों के द्वारा भी सक्रियता से भाग लिया गया।

Organizer

Principal
Govt. College Sainj